# भक्ति को केरल स्टोरी-2 से मिली पहचान

## फिल्म कलाकार भक्ति वसानी से खास बातचीत

**साक्षी केसरवानी**

**भोपाल, 5 अप्रैल. कभी आमिर संग दंगल फिल्म में साथ काम कर चुकी 6 साल की अभिनेत्री भक्ति वसानी ने आज बॉलीवुड की सबसे चर्चित फिल्म द केरला स्टोरी-2 में अपनी भूमिका से दर्शकों का खूब प्यार और भरोसा पाया है. झीलों की नगरी भोपाल में पली बड़ी भक्ति वसानी ने रविवार को नवभारत प्रतिनिधि से बातचीत में उन्होंने अपने एक्टिंग करियर के कई पलों को साझा किया.**

भक्ति बताती हैं कि उन्हें हमेशा से डांस का शौक रहा है, केवल 6 साल की उम्र में ही उनकी मां के विजन से फिल्म लाइन में उनके करियर की शुरुआत हुई. जिसके बाद धीरे-धीरे उनके टैलेंट और लगन से उन्हें कई छोटे बड़े प्रोजेक्ट मिलते रहे और उन्होंने हमेशा खुलकर हर चैलेंजिंग रोल में खुद को ढालने की कोशिश की है.

**केरल स्टोरी 2 में गंभीर भूमिका:** फिल्म द केरला स्टोरी 2 में फातिमा का सेकंड लीड रोल निभाया है.इस किरदार को निभाने के लिए फिल्म के मारवाड़ी डायलॉग्स सीखे और कई वर्कशॉप्स में हिस्सा लिया.वहीं कई सीन ऐसे थे, जहां फेसियल एक्सप्रेशन के साथ भावनाएं ही सबसे ज्यादा मायने रखती है. उसके लिए मुझे नर्वसनेस थी कि कैसे होगा, लेकिन जब सेट पर गई और डायरेक्टर ने मुझे सीन का उद्देश्य समझाया, उसके बाद मैंने वो सीन भी किया.कुल मिलाकर सेट का माहौल और कहानी में आप कितना अंदर तक अपने आप को ढाल सकते हैं वही आपके किरदार और अभिनय को निखारता है.

**स्पोर्ट्स और महिला सशक्तिकरण में रुचि :** मैं स्टेट लेवल पर जिम्नास्टिक्स खेल चुकी हूं, मुझे लगता है की स्पोर्ट्स फील्ड में भी कुछ रियल स्टोरी बेस्ड फिल्में बननी चाहिए.कभी मुझे मौका मिला तो मैं ऐसी फिल्म में जरूर काम करना चाहूंगी.

**श्रद्धा कपूर के साथ कर चुकी हैं काम :** दंगल के बाद मैंने कई विज्ञापनों और प्रोजेक्ट्स में काम किया. जिसमें क्लिनिक प्लस और नायका जैसे ब्रांड्स के साथ काम किया.वहीं कोविड के दौरान उन्होंने अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के साथ विज्ञापन शूट किया.उस समय शूट के दौरान श्रद्धा मुझे कम्फर्ट फील करवाने के लिये मुझसे बातें करती थी, वो पल मेंरे लिये काफी यादगार है.

### दंगल से मिला था पहला मौका

फिल्म दंगल की कास्टिंग के दौरान मां ने मेरी कुछ तस्वीरें कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छापरा को भेजीं थी.जिसके बाद मुझे दंगल के ऑडिशन के लिए बुलाया गया. वह पहली बार था कि फिल्म में मुझे एक छोटा लेकिन अहम रोल मिला और यहीं से मेरे करियर को दिशा मिली.

**नए कलाकारों के लिए अवसर :** भक्ति बताती हैं कि आज के दौर में सोशल मीडिया के जरिए मौके ढूंढना आसान हो गया है. कास्टिंग अपडेट्स और ऑडिशन की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध है.अगर हुनर और लगन हो तो हर किसी के लिए रास्ते खुले हैं.बस आपको मेहनत और सही दिशा में प्रयास करने की जरुरत है.

# चर्च में मसीह समाज ने की आराधना

**भोपाल, 5 अप्रैल. पुनरुत्थान पर्व में मसीह समाज के लोगों ने प्रोटेस्टेंट चर्च में रविवार को आराधना की. इस अवसर पर आर्च डीकन रेवरेंट डॉक्टर अनिल मार्टिन ने अपने संदेश में कहा कि प्रभु यीशु मसीह का जी उठाना इतिहास में एक सबसे बड़ा सत्य है.**

यीशु ने जी उठने के बाद लोगों को 40 दिन तक दर्शन देकर केवल एक बात का संदेश दिया कि लोगों के जीवन में प्रेम , आनंद, दया, नम्रता ,सहायता और सेवा का संदेश दें, जिससे मानव कल्याण के लिए एक नए आयाम स्थापित हो सकें. लोग एक-दूसरे से प्रेम करके अपने जीवित परमेश्वर को धन्यवाद दे सकें क्योंकि यह जीवन जो मिला है यह परमेश्वर का सबसे बड़ा दान है. इस दान का सदुपयोग करना सभी मानव के लिए प्रथम कर्तव्य है. हमें दूसरों की सेवा करने के लिए जीवन मिला है तो प्रेम से एक दूसरे का प्रेम के साथ आदर करें और दूसरों की भलाई के लिए अपने जीवन का उपयोग करें .

### हज प्रशिक्षण शिविर कल से होगा शुरू

**भोपाल, 5 अप्रैल .** हज यात्रा पर जाने वाले हजयात्रियों की तैयारी को बेहतर बनाने के लिए 7 अप्रैल को शहर में एक दिवसीय हज प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है . यह शिविर रेतघाट वीआईपी रोड स्थित मस्जिद माजी साहिबा में होगा. कार्यक्रम सुबह 9 बजे शुरू होकर ईशा तक चलेगा. इसमें हज के अरकान, यात्रा की प्रक्रिया, जरूरी दस्तावेज, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां और अन्य महत्वपूर्ण दिशा निर्देश विस्तार से बताए जाएंगे, ताकि आज़मीन आसानी और सही तरीके से हज अदा कर सकें .

# अब एम्स में हो सकेगी पुरुषत्व की जांच

**▶ अमेरिका में हुई यूएससीएपी की बैठक में शोध प्रस्तुत**

**नवभारत प्रतिनिधि**

**भोपाल, 05 अप्रैल. एम्स ने पुरुषत्व की जांच में एक बड़ी सफलता हासिल की है.संस्थान की प्रोफेसर डॉ. हेमलता पनवार का शोध अमेरिका के सैन एंटोनियो में आयोजित यूएससीएपी वार्षिक बैठक 2026 में प्रस्तुत किया गया.**

यह शोध डीएनए फ्रैगमेंटेशन इंडेक्स नामक तकनीक पर आधारित है.जिसकी जांच सामान्य वीर्य परीक्षण से अलग है.इसमें शुक्राणु के डीएनए में होने वाली छिपी क्षति का पता लगाया जा सकता है जो पहले की जांच में नजर नहीं आती थी. शोध में सामने आया कि जिन पुरुषों में डीएनए फ्रैगमेंटेशन 30 प्रतिशत से अधिक होता है, उनकी शुक्राणु गुणवत्ता कमजोर होती है.यह समस्या खासकर धूम्रपान करने वालों में ज्यादा देखी गई.इसका कारण शरीर में बढ़ता ऑक्सीडेटिव तनाव माना गया है.

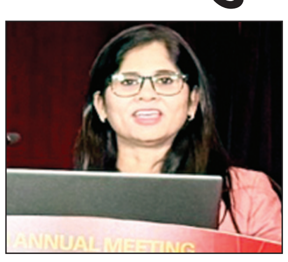

**पहले और अब में अंतर :** पहले सामान्य जांच में सिर्फ शुक्राणु की संख्या और गति देखी जाती थी.डीएनए की गुणवत्ता पर स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाती थी.अब इस नई तकनीक से गहराई से जांच संभव होगी और असली कारण सामने आएगा. शोध में डॉ. अश्वनी टंडन, डॉ. वैशाली वाल्के, डॉ. रेखा सिंह, डॉ. के पुष्पलता, डॉ. के माधवन, डॉ.अश्विन कोटनिस, डॉ. अंकुर जोशी और डॉ. नीलकमल कपूर सहित विशेषज्ञों की टीम ने काम किया.

### मरीजों को होगा लाभ

- पुरुषत्व की सटीक पहचान हो जाएगी.
- स्थिति के अनुसार व्यक्तिगत इलाज.
- दंपतियों को सही सलाह और बेहतर उपचार.

### मिथिलेश शुक्ला को सागर आईजी का अतिरिक्त प्रभार

**भोपाल, 5 अप्रैल.** मध्यप्रदेश सरकार ने रविवार को नर्मदापुरम जोन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) मिथिलेश शुक्ला को सागर जोन के आईजी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है. इस संबंध में गृह विभाग की ओर आदेश जारी कर दिए गए हैं. आदेश में कहा गया है कि श्री शुक्ला नर्मदापुरम जोन के आईजी के साथ ही सागर जोन के आईजी का कार्य भी देखेंगे.

# ईद मिलन समारोह में गजलें और कव्वाली प्रस्तुत

**▶ विभिन्न मनोरंजक खेलों का भी हुआ आयोजन**

**▶ महिला स्वास्थ्य के बारे में दी गई जानकारी**

**भोपाल, 5 अप्रैल. बेगम्स ऑफ भोपाल क्लब एवं वूमन एजुकेशन एम्पॉवरमेंट सोसायटी द्वारा रविवार को एक होटल में दावत-ए-ईद के अवसर पर एक भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में लगभग 150 लोगों ने सहभागिता की.**

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध गायक हमजा कब्बाल एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत बॉलीवुड गजलें और कव्वाली रहीं, जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया. महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया.इस अवसर पर 'लेडी ऑफ द ईवनिंग', 'वेल कोऑर्डिनेटेड ड्रेस्ड लेडी' और 'वाइब्रेंट लेडी' का चयन भी किया गया. कार्यक्रम के दौरान देविका सिंह द्वारा महिला स्वास्थ्य विषय पर एक संक्षिप्त जानकारीपूर्ण सत्र भी आयोजित किया गया.

शहर के अनेक गणमान्य अतिथियों एवं प्रतिष्ठित नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया.यह आयोजन भोपाल की खूबसूरत गंगा-जमुनी तहज़ीब का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है. अतिथियों का स्वागत इत्र लगाकर किया गया. महिलाओं ने घरारा, साड़ी, शरारा और हैदराबादी शैली के परिधानों में सुसज्जित होकर ईद के उत्सव का विशेष माहौल बनाया. खानपान में ईद की पारंपरिक व्यंजन जैसे सेवइयां, खीर, दही बड़े, छोले-कुलचे आदि परोसे गए.

### एक नजर में

### फुटबॉल प्रतियोगिता में फाइनल मुकाबले आज

**भोपाल, 5 अप्रैल.** मध्य प्रदेश रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में एलएनसीटी में आयोजित 7वीं राज्यस्तरीय सीनियर एवं जूनियर रग्बी (बालक एवं बालिका) प्रतियोगिता के दूसरे दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले. मप्र रग्बी फुटबाल एसोसिएशन के टेक्निकल डायरेक्टर संदीप जाधव ने बताया कि कल 6 अप्रैल को प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों के फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे. रविवार को हुए जूनियर बालिका वर्ग के लीग मुकाबलों में रायसेन ने बैतूल को 10-0 से, नर्मदापुरम ने शाजापुर को 5-0 से, सीहोर ने इंदौर को 5-0 से, रायसेन ने देवास को 10-0 से, शाजापुर ने विदिशा को 5-0 से, सीहोर ने देवास को 5-0 से तथा बैतूल ने विदिशा को 5-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया. जूनियर बालक वर्ग में बैतूल ने देवास कॉरपोरेशन को 5-0 से, सीहोर ने रतलाम को 10-0 से, देवास ने नर्मदापुरम को 5-0 से, विदिशा ने शाजापुर को 10-0 से, देवास कॉरपोरेशन ने रायसेन को 5-0 से, बैतूल ने रतलाम को 10-0 से, देवास ने खरगोन को 10-0 से तथा नर्मदापुरम ने शाजापुर को 10-5 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई. सीनियर पुरुष वर्ग के मुकाबलों में देवास ने नर्मदापुरम को 10-0 से, खरगोन ने रायसेन को 10-0 से, भोपाल ने बैतूल को 15-0 से, देवास ने सीहोर को 20-0 से तथा रायसेन ने खरगोन को 10-0 से हराकर अगले चरण में प्रवेश किया.

# भोजपुरी समाज ने की चाय पर परिचर्चा

**▶ संगठन में मातृशक्ति की भागीदारी बढ़ाने पर दिया बल**

**भोपाल, 5 अप्रैल. महानगर भोजपुरी समाज भोपाल द्वारा संगठन के संरक्षक सदस्य वीरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में चाय पर सार्थक परिचर्चा का आयोजन किया गया. परिचर्चा में भोजपुरी समाज के गणमान्य लोगों अपनी मातृ बोली भोजपुरी में अपने-अपने सार्थक एवं सकारात्मक विचार रखें.**

उपस्थित लोगों ने चाय पर परिचर्चा का कार्यक्रम लगातार जारी रखने का संकल्प लिया. संगठन के अध्यक्ष ददन सिंह यादव ने सभी संरक्षकों तथा उपस्थित लोगों को स्वागत करते हुए इस संकल्प हेतु आभार व्यक्त किया.

संगठन के महामंत्री राजेश सिंह व कोषाध्यक्ष रमेश यादव ने भोजपुरी तथा भोजपुरिया लोगों के पुनर्स्थापना हेतु निष्ठा एवं ईमानदारी पूर्वक कार्य करने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए संगठन में मातृशक्ति एवं नवयुवकों की भागीदारी बढ़ाने पर बल दिया.उक्त परिचर्चा में मुख्य रूप से संगठन के संरक्षक सूर्यनाथ सिंह, परमात्मा नंद सिंह, एम. पी. सिंह, उपाध्यक्ष रमेश सिंह, विश्वास गिरी, कृपा शंकर सिंह, रामाशीष यादव, राम उदार यादव, ओम प्रकाश सिंह, लोकनाथसिंह, अवधेश सिंह, जय नारायण सिंह, अंजनी सिंह, उमाशंकर तिवारी, धनंजय सिंह, अशोक कुमार सिंह, महेश प्रसाद श्रीवास्तव, रामाधार झा, मदन सिंह, विजय बहादुर सिंह, शिव शंकर मिश्रा, वीर बहादुर वर्मा, रमाकांत राय, कृष्णा पांडे, अजय कुमार सिंह, रविंद्र सिंह, निर्मल कुमार मिश्रा, प्रो. सूर्यदेव सिंह, संदीप यादव, कृष्ण कुमार सिंह आदि उपस्थित थे.

### 'गाता रहे मेरा दिल' में गीतों की प्रस्तुति

**भोपाल, 5 अप्रैल.** जे.के. म्यूजिकल ग्रुप द्वारा संगीतमय संध्या 'गाता रहे मेरा दिल' का आयोजन भोपाल के 'पॉलिटेक्निक सभागार' में किया गया। इस सुमधुर कार्यक्रम का संचालन भोपाल की प्रसिद्ध गायिका वाणी पुरोहित ने किया. कार्यक्रम में उपस्थित गायकों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समां बांध दिया. एकल गीतों की श्रृंखला में प्रदीप सक्सेना ने 'मै तो हर मोड़ पर', नरेश मालवीय ने 'हर पल चाह कर मेरा दिल', डॉ. राकेश जैन ने 'का करूं सजनी', और महेश रुपानी ने 'मेरे सपनों की रानी' प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया.युगल गीतों में चाहत और जे. के. ने 'कभी रात दिन हम दूर', डॉ. राकेश जैन और माया पवार ने 'हम तुम युग युग से ये गीत', तथा प्रदीप और नगमा ने 'दिल जाने जिगर तुझपे' गाकर महफ़िल की रौनक बढ़ाई. इनके अलावा शिवानी, कविता सक्सेना, उदय पंधारे, कुलदीप, लईक अहमद, अनुज सक्सेना और शशांक सहित अन्य कलाकारों ने सुरों से दर्शकों का दिल जीता.

# वार्षिकोत्सव में कथक की प्रस्तुति

**▶ नटराज संगीत विद्यालय में हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम**

**भोपाल, 5 अप्रैल. नटराज संगीत विद्यालय का वार्षिक उत्सव विज्ञान भवन, नेहरू नगर के ऑडिटोरियम में मनाया गया. इस अवसर पर विद्यार्थियों ने कथक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं.**

प्रस्तुतियों में तीनताल, धमार, पंचम सवारी तथा झपताल जैसे जटिल एवं शास्त्रीय तालों का सुंदर समावेश देखने को मिला. इसके साथ ही 'मधुराष्टकम' और सूफियाना तराने की प्रस्तुति ने दर्शकों को विशेष रूप से भाव-विभोर कर दिया.

इस अवसर पर अतिथियों के रूप में हेमंत समाजसेवी मुक्तिबोध, कथक गुरु प्रो. विजया शर्मा, भारती सिंह राजपूत (उप संचालक, संस्कृति विभाग,), शेखर करहड़कर (उप संचालक, उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी,), प्रो. नीना श्रीवास्तव (विभागाध्यक्ष, संगीत विभाग, नूतन कॉलेज,), डॉ. साधना बलवटे (निदेशक, निराला सृजन पीठ, म.प्र. संस्कृति परिषद), मेघा कोठारी (समाजसेविका) एवं नीलम गोयनका (कला संरक्षक) उपस्थित थे. विद्यालय की संचालिका अमिता खरे ने नटराज संगीत विद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की.

**पहचान और कमाई** ▶ डिजिटल दौर में नए मंच से दे रहे हैं सपनों को उड़ान

# युवा अपने हुनर से संवार रहे हैं भविष्य

**नवभारत प्रतिनिधि**

**भोपाल, 5 अप्रैल. राजधानी में अब सपनों का रास्ता पारंपरिक नौकरियों से होकर नहीं गुजरता बल्कि कैमरे, कैनवास और हाथों की कारीगरी से होकर बन रहा है. बचपन के शौक आज युवाओं के लिए करियर का मजबूत आधार बन रहे हैं और डिजिटल मंच उन्हें पहचान से कमाई तक का रास्ता दिखा रहे हैं.**

शहर के युवा अब अपनी रुचियों को इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म के जरिये अपने हुनर को सीधे लोगों तक पहुंच रहे हैं. यही कारण है कि फोटोग्राफी, संगीत और स्केचिंग जैसे क्षेत्र अब तेजी से पेशे में बदल रहे हैं.

### शौक को बना रहीं पहचान

खूबसूरत फर और अन्य रेडीमेड मटेरियल का उपयोग कर आकर्षक होम डेकोर और गिफ्टिंग आइटम तैयार करती हूं. जिन्हे 'फ्लोरल क्राफ्ट्स' कहा जाता है. एक प्रोडक्ट को बनाने में आमतौर पर दो से तीन दिन का समय लगता है. इसे मैं सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने का प्रयास कर रही हूं. **-वंशिका**

### कैमरे से बना करियर का रास्ता

मैंने अपने जुनून को पेशे में बदलने का साहस किया. स्कूल के दिनों में पुराने कैमरे से खींची गई फोटो के बाद अब मेरा सफर पेशेवर फोटोग्राफी तक पहुंच चुका है. मैं इवेंट और पारिवारिक समारोहों की शूटिंग करता हूं, फिलहाल डिजिटल प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया के जरिये मैं अपने काम को और आगे बढ़ा रहा हूं.

**-वरुण नामदेव,** फोटोग्राफर

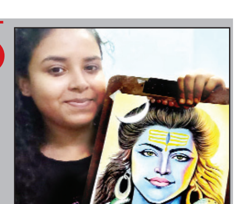

### स्केच में उभरते सपने

मुझे बचपन से ही रेखाओं और रंगों के जरिए अपनी दुनिया रचने का शौक रहा हैं. सोशल मीडिया के माध्यम से नई उड़ान मिल रही है. फिलहाल मैं सोशल मीडिया से पोट्रेट और पेंटिंग के ऑर्डर लेकर अपने कौशल को निखार रही हूं और इसी क्षेत्र में भविष्य बनाने की कोशिश कर रही हूं.

**-अनुष्का दास,** चित्रकार

# 70 फीसदी संस्थाएं बाहर, कलाकारों में असंतोष

**▶ गुरु-शिष्य योजना पर बढ़ गया विवाद**

**नवभारत प्रतिनिधि**

**भोपाल, 05 अप्रैल. संस्कृति मंत्रालय के हालिया फैसले पर गंभीर सवाल उठाते हुये रविवार दोपहर राजधानी के रंगकर्मियों ने प्रेस वार्ता आयोजित कर मीडिया से बातचीत की. रंगकर्मी बालेन्द्र सिंह ने बताया कि गुरु-शिष्य परम्परा योजना के तहत वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए जारी निर्णयों में देशभर की लगभग 70 प्रतिशत सक्रिय संस्थाओं के आवेदन बिना स्पष्ट कारण के निरस्त कर दिए गए हैं.**

वहीं मध्यप्रदेश में ही कुल 78 आवेदन रिजेक्ट और 44 कूल्ड ऑफ कर दिए गए. जिससे सैकड़ों कलाकारों का भविष्य प्रभावित हुआ है. कलाकारों ने आरोप लगाया कि इस बार चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी रही और विशेषज्ञों की स्वतंत्र भागीदारी भी सुनिश्चित नहीं की गई. पीपल्स थियेटर ग्रुप के रंगकर्मी सिंधु धौलपुरे ने बताया कि पहले दस्तावेजों की त्रुटि सुधार का अवसर दिया जाता था और भौतिक सत्यापन भी होता था, लेकिन इस बार यह प्रक्रिया नहीं अपनाई गई. वहीं कई तकनीकी गड़बड़ियां भी सामने आई हैं, जिससे निर्णय की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं.

प्रेस वार्ता में रंगकर्मियों ने कहा कि इस फैसले से देश की नाट्य, नृत्य और संगीत परंपराओं के लिए गंभीर संकट पैदा हो सकता है. गुरु-शिष्य परंपरा के जरिए पीढ़ियों से चल रही कलाओं के संरक्षण पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा .रंगकर्मियों ने घोषणा की कि 7 अप्रैल को मध्यप्रदेश सहित देशभर के कलाकार दिल्ली जाकर संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों और मंत्री से मुलाकात करेंगे और इस निर्णय को वापस लेने की मांग करेंगे.

### कलाकारों पर असर

कलाकारों का कहना है कि इस निर्णय का सीधा असर उनकी आजीविका पर पड़ रहा है .प्रदेश में करीब 650 कलाकार इससे प्रभावित हो रहे हैं, जबकि नए अवसर मात्र 42 कलाकारों को ही मिल पाए हैं . कलाकारों ने बताया कि उन्होंने वर्षों से प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्य इस भरोसे पर किया था कि उन्हें अनुदान मिलेगा, लेकिन अब वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं .